

## RAJYA SABHA

Wednesday, the 22 July, 2009/ 31 Asadha, 1931 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

### ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

\*261. [The questioner (Dr. K. Malisamy) was absent. For answer vide page 21 *infra*.]

#### मध्य प्रदेश के सीमेंट कारखानों में कार्यरत श्रमिकों की संख्या

\*262. श्री रघुनन्दन शर्मा : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश के सीमेंट कारखानों में काम करने वाले कितने श्रमिक सीलीकॉसीस तथा सीमेंट की धूल से होने वाली बीमारियों से ग्रस्त हुए हैं;

(ख) उनमें से कितनों की मृत्यु हुई तथा क्या सरकार द्वारा जीवित बचे हुए श्रमिकों की देखभाल तथा उनके कल्याण के लिए कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा उनके लिए क्या-क्या उपयुक्त कदम उठाए जा रहे हैं?

श्रम और रोजगार मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

#### विवरण

(क) से (ग) मध्य प्रदेश में सीमेंट कारखानों में 15456 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में सीमेंट कारखानों से सीमेंट की धूल के कारण सीलीकॉसीस के किसी मामले की सूचना नहीं दी गई है।

(घ) कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत मध्य प्रदेश के औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा निदेशालय के निरीक्षकों द्वारा नियमित निरीक्षण कराए जा रहे हैं।

#### Number of labourers working in cement factories in M.P.

†\*262. SHRI RAGHUNANDAN SHARMA: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the number of labourers working in cement factories in Madhya Pradesh who suffered from silicosis and other diseases caused by dust particles of cement;

(b) out of them, the number of those who died and whether steps are being taken by Government for taking care and upliftment of the survived ones;

(c) if so, the details thereof; and

(d) if not, appropriate steps being taken by Government for them?

THE MINISTER OF LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI MALLIKARJUN KHARGE): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

(a) to (c) 15456 workers are working in cement factories in Madhya Pradesh. No case of silicosis caused by dust particles of cement has been reported from cement factories in Madhya Pradesh.

† Original notice of the question was received in Hindi.

(d) Regular inspections are being carried out by inspectors in the Directorate of Industrial Health and Safety of Madhya Pradesh under the Factories Act, 1948.

**श्री रघुनन्दन शर्मा :** माननीय सभापति महोदय, मैंने अपने प्रश्न में जो बहुत महत्वपूर्ण बात पूछी थी, वह श्रमिकों की मौत और उनकी अकाल मृत्यु से संबंधित थी। कारखानों में काम करते हुए, उनको अनेक रोग हो जाते हैं, जो जानलेवा रोग साबित होते हैं। इन बीमारियों के कारण श्रमिक मर जाते हैं, उसके बाद उनके परिवार भुखमरी के कगार पर पहुँच जाते हैं। उनको बचाने वाला कोई नहीं होता है। उनकी सही तरीके से चिकित्सा भी नहीं होती है। कारखाने वाले बड़ी चतुराई से, जैसे ही उन्हें श्रमिक में बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं, उस श्रमिक को अस्थाई होने के नाते, कारखाने से बाहर कर देते हैं और उसको मरने के लिए छोड़ देते हैं।

माननीय सभापति जी, मैंने जो प्रश्न पूछा था कि मध्य प्रदेश के सीमेंट कारखानों में काम करने वाले कितने श्रमिक silicosis तथा सीमेंट की धूल से होने वाली अन्य बीमारियों से ग्रस्त हुए हैं? तथा अन्य होने वाली बीमारियों में, जैसे टी.बी. है, तपकेदिक रोग है, श्वास के रोग हैं, फेफड़े जाम हो जाते हैं, रक्त नलिकाएं बंद हो जाती हैं, श्वास नलिकाएं बंद हो जाती हैं, ऐसी अनेक बीमारियाँ उनको हो जाती हैं। माननीय मंत्री जी ने silicosis के बारे में कह कर के बाकी रोगों के तथ्यों को छिपा लिया है। यह उन्होंने हमको गुमराह करने का प्रयत्न किया है। इस सवाल का उत्तर उन्होंने छिपाने का प्रयत्न किया है।

**श्री सभापति :** आप प्रश्न पूछिए। आप ज़रा गलत शब्द इस्तेमाल मत करिए। आप बस सवाल पूछ लीजिए।

**श्री रघुनन्दन शर्मा :** सर, मैं सवाल ही कर रहा हूँ। माननीय सभापति जी, यह सवाल की प्रस्तुति क्रिया है, उससे से ही सवाल पैदा होगा।

**श्री सभापति :** आप सवाल तो पूछिए।

**श्री रघुनन्दन शर्मा :** सर, मैं मंत्री जी से यह पूछ रहा हूँ कि जो उस कारखाने में काम करने वाले श्रमिक थे, उनको कारखाने से निकाल दिया गया है, उनमें से कितने श्रमिकों की मृत्यु हुई है? माननीय मंत्री जी इसके बारे में बताने का कष्ट करें, क्योंकि जो श्रमिक कारखाने से बाहर चले गए, वे भी उसी कारखाने से बीमारी लेकर गए थे।

**श्री मल्लिकार्जुन खरगे :** सर, जिन कारखानों से लोगों को निकाला गया, उसकी सूची तो हमारे पास नहीं है। अगर माननीय सदस्य कोई स्पेसिफिक क्वेश्चन पूछते कि किस-किस फैक्टरीज में क्या ऐसा हुआ है, तो हम वह इन्फार्मेशन मंगाकर उन्हें बता सकते थे। क्वेश्चन को जर्नलाइज करके पूछा गया है। हमको अगर समय दें, तो डेफिनेटली हम वह सारी इन्फार्मेशन कलेक्ट कर सकते हैं।

**श्री रघुनन्दन शर्मा :** माननीय सभापति जी, मुझे जानकारी है कि मध्य प्रदेश के सतना, रीवा क्षेत्र के सीमेंट कारखानों में, पिछले दो वर्षों में सीमेंट की धूल से होने वाली बीमारियों के कारण लगभग 122 श्रमिकों की मृत्यु हुई है। इसी तरह से मध्य प्रदेश के नीमच जिले के विक्रम सीमेंट कारखाने में और सतना, रीवा के जे.पी. सीमेंट कारखाने में लगभग 43 श्रमिकों की मृत्यु हुई है। उत्तर में बताया गया है कि सुरक्षा निदेशालय के निरीक्षकों द्वारा नियमित निरीक्षण कराया जाता है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या उसकी रिपोर्ट से ऐसी किसी बीमारी की सूचना सरकार को प्राप्त हुई है?

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, in the information that I received from the Madhya Pradesh Government reveals that from 2002 to 2006 twenty-seven people suffered due to silicosis disease

and, in 2008, forty-one people suffered. They have not furnished any information regarding deaths in cement factories in Madhya Pradesh due to silicosis disease. This is the report of the Government of Madhya Pradesh and, therefore, I have to rely on this only. If he has got any specific information about any factory, I will definitely get that information and give to him. ...*(Interruptions)*...

**श्री रघुनन्दन शर्मा :** सर, मैंने silicosis बीमारी के अलावा अन्य बीमारियों के बारे में भी पूछा है।

**श्री मल्लिकार्जुन खरगे :** सर, इसीलिए खासकर, the number of slate pencil manufacturing units is 120 and the number of workers employed by them is 1,178. The number of deaths due to silicosis is 560. This figure is for nearly 20-25 years, that is, from 1985 to 2009. The number of workers suffering from silicosis is 177. As far as the number of deaths in cement factories or due to cement dust is concerned, it is not provided. These figures are only in respect of pencil manufacturing units.

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Thank you, Mr. Chairman, Sir. I want to draw the attention of the hon. Minister to the fact that it is a serious issue that the cement manufacturing industries are affected by this disease. It is not an India-specific issue; it is an international issue that silicosis is a very serious disease which is affecting the people working not only in cement factories but also in asbestos-related industries. In the report of the ILO, they have included India also and stated that India is one of the severely affected countries. I think, the manner in which this question has been addressed by the Labour Ministry is not right. I think, there should have been a little bit more investigation and if time was required to collect the information, they could have replied to it subsequently.

MR. CHAIRMAN: Question, please.

SHRI TAPAN KUMAR SEN: I am coming to the question. We are told that regular inspection is being done by the Directorate of Industrial Health and Safety of Madhya Pradesh under the Factories Act, 1948. It was a blanket certificate to an inspecting authority. In this House, I raised an issue last week that in Madhya Pradesh itself, in two adjoining explosive factories 18 people died because of an accident and there was no regular safety inspection. The Directorate of Industrial Health and Safety in Madhya Pradesh is particular about inspection of the cement factories, but the explosive factories situated side by side have not been inspected and an accident has taken place.

MR. CHAIRMAN: Please ask the supplementary question.

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, I would request the hon. Minister to re-verify the information.

MR. CHAIRMAN: Please ask the question. What is the question?

MR. TAPAN KUMAR SEN: This is the question. I would like to know whether he is going to re-verify the information.

MR. CHAIRMAN: All right. Okay. ...*(Interruptions)*... No, please.

SHRI TAPAN KUMAR SEN: I know he is helpless. He has to rely on the report. Please re-verify. Let me complete, Sir. You re-verify the information and judge it on the basis of the general report on silicosis and pneumoconiosis among the workers and reinform the House. This is a very serious issue.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, as far as the cement industries and asbestos-sheet industries are concerned, the information I have got is this. This is an expert report. According to this report, 10 परसेंट से ज्यादा free silica पाई जाने वाली धूलें ही hazardous होती हैं, जिनसे silicosis हो सकती है, mainly fly-ash, sand, slate and granite इन धूलों से ही इस बीमारी के होने की संभावना है। सीमेंट और fly-ash में free silica 10 परसेंट से कम होती है, इसीलिए उनसे silicosis होने की संभावना बहुत कम होती है। As far as cement is concerned, the silica is less than 10 per cent. So it is not possible to attribute this disease to cement. So far as hon. Member's request that it should be verified once again, definitely, I will ask the Madhya Pradesh Government to send a fresh report.

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA: Sir, silicosis is an occupational disease. I want to know from the hon. Minister as to how many occupational diseases have been identified in the country and how many occupational disease diagnostic centres are there in the country, particularly in Madhya Pradesh to diagnose these occupational diseases.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, this question does not relate to the main question. If he asks a specific question, I will answer that.

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA: Sir, it is an occupational disease.

MR. CHAIRMAN: Please ask supplementary in relation to this question, not a generalised question.

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA: Sir, this is what I am asking. Since silicosis is an occupational disease, I would like to know from the hon. Minister whether Madhya Pradesh has any diagnostic centre to identify occupational diseases in Madhya Pradesh.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, the Madhya Pradesh Government has taken certain steps. They are taking a number of steps since long. Whether they have established a diagnostic centre for identifying this disease, I will get the report and send it to the hon. Member.

**श्री राम नारायण साहू :** क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि सीमेंट उद्योग में जो बीमारी फैल रही है, उससे दूसरों को बचाने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है?

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, there are a number of initiatives the Government of India and also the respective States have taken. If you permit me, I can read out these two pages about the steps which the State Government and the Government of India have taken.

MR. CHAIRMAN: Could you make it available to the hon. Member?

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : Yes, Sir.